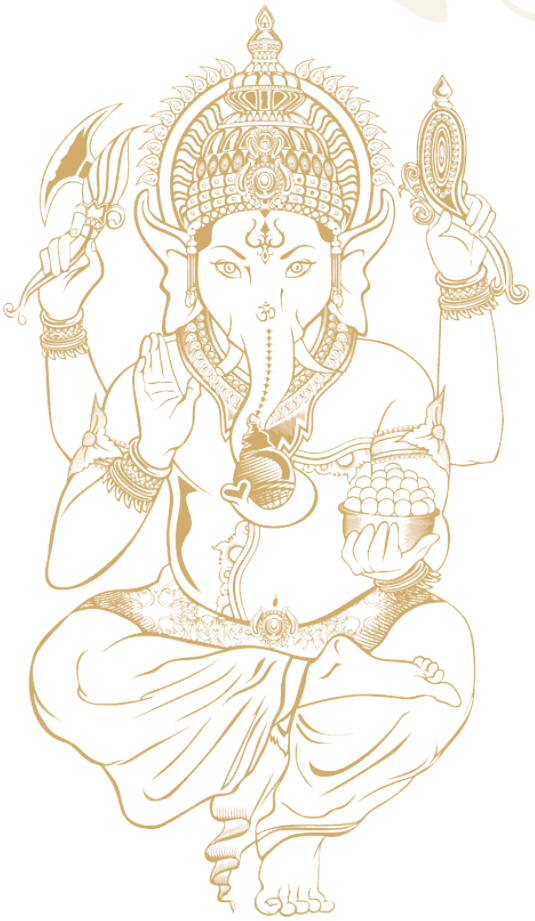

??? ?????

11 Dec 1991

03:10 AM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121316506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/12/1991**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:10:00 घंटे**
इष्ट	49:51:34 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:43:28 घंटे
वेलान्तर	00:07:28 घंटे
साम्पातिक काल	07:59:55 घंटे
सूर्योदय	07:13:22 घंटे
सूर्यास्त	17:24:49 घंटे
दिनमान	10:11:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:35:04 वृश्चिक
लग्न के अंश	02:03:56 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	02:03:56	308:01:51	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
सूर्य			वृश्चि	24:35:04	01:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	16:10:23	11:47:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	14:41:30	00:43:10	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	19:12:15	01:15:51	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	सम राशि
गुरु			सिंह	20:14:45	00:03:45	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	11:36:01	01:10:09	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			मक	09:54:33	00:05:44	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु			धनु	16:09:28	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
केतु			मिथु	16:09:28	00:01:35	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	18:42:17	00:03:21	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	21:41:54	00:02:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	27:37:51	00:02:13	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	04:08:40	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:57

लग्न-चलित

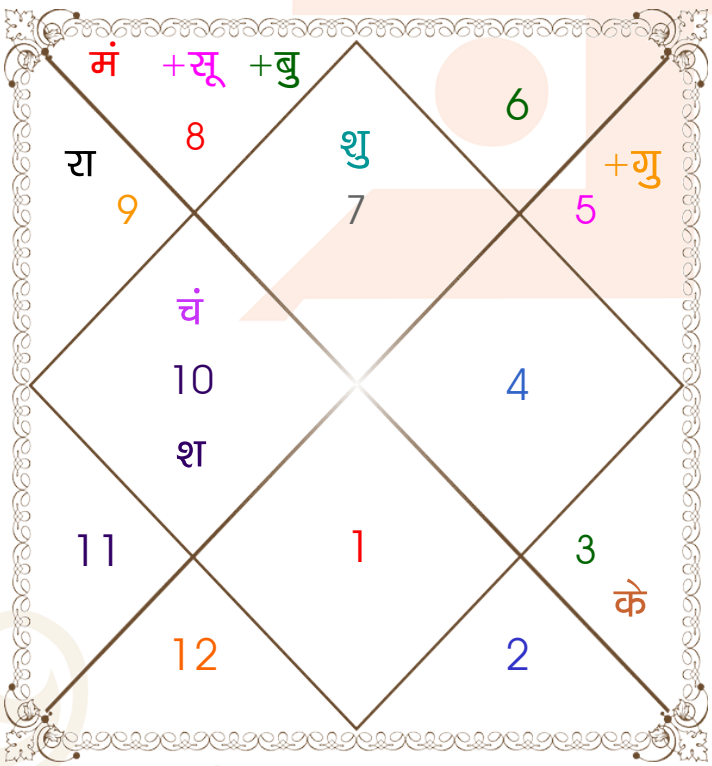

चन्द्र कुंडली

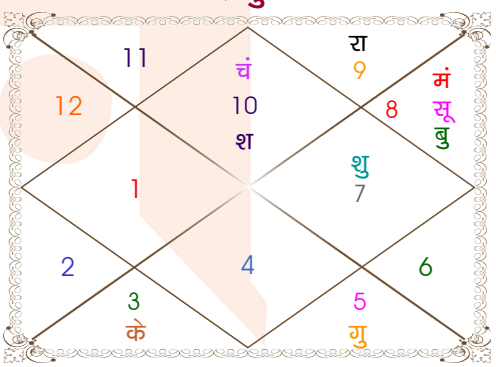

नवमांश कुंडली

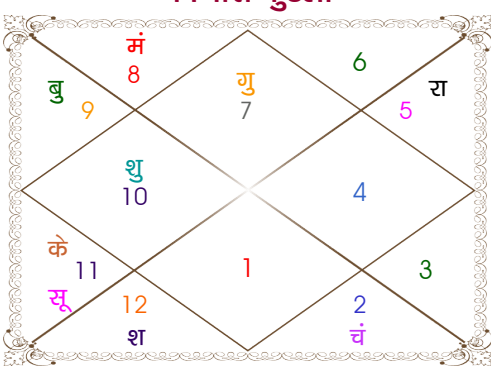

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 4 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/12/1991		24/04/1997		24/04/2004		24/04/2022		24/04/2038	
24/04/1997		24/04/2004		24/04/2022		24/04/2038		24/04/2057	
	00/00/0000	मंगल	20/09/1997	राहु	05/01/2007	गुरु	12/06/2024	शनि	27/04/2041
	00/00/0000	राहु	09/10/1998	गुरु	31/05/2009	शनि	24/12/2026	बुध	05/01/2044
	00/00/0000	गुरु	15/09/1999	शनि	06/04/2012	बुध	31/03/2029	केतु	13/02/2045
	11/12/1991	शनि	23/10/2000	बुध	24/10/2014	केतु	07/03/2030	शुक्र	15/04/2048
शनि	22/02/1993	बुध	21/10/2001	केतु	11/11/2015	शुक्र	05/11/2032	सूर्य	28/03/2049
बुध	25/07/1994	केतु	19/03/2002	शुक्र	11/11/2018	सूर्य	24/08/2033	चंद्र	27/10/2050
केतु	23/02/1995	शुक्र	19/05/2003	सूर्य	06/10/2019	चंद्र	24/12/2034	मंगल	06/12/2051
शुक्र	23/10/1996	सूर्य	24/09/2003	चंद्र	06/04/2021	मंगल	30/11/2035	राहु	12/10/2054
सूर्य	24/04/1997	चंद्र	24/04/2004	मंगल	24/04/2022	राहु	24/04/2038	गुरु	24/04/2057

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/04/2057		24/04/2074		24/04/2081		25/04/2101		26/04/2107	
24/04/2074		24/04/2081		25/04/2101		26/04/2107		00/00/0000	
बुध	21/09/2059	केतु	20/09/2074	शुक्र	24/08/2084	सूर्य	13/08/2101	चंद्र	24/02/2108
केतु	17/09/2060	शुक्र	21/11/2075	सूर्य	24/08/2085	चंद्र	11/02/2102	मंगल	24/09/2108
शुक्र	19/07/2063	सूर्य	27/03/2076	चंद्र	25/04/2087	मंगल	19/06/2102	राहु	26/03/2110
सूर्य	24/05/2064	चंद्र	26/10/2076	मंगल	24/06/2088	राहु	14/05/2103	गुरु	26/07/2111
चंद्र	24/10/2065	मंगल	25/03/2077	राहु	24/06/2091	गुरु	01/03/2104	शनि	12/12/2111
मंगल	21/10/2066	राहु	12/04/2078	गुरु	22/02/2094	शनि	11/02/2105		00/00/0000
राहु	09/05/2069	गुरु	19/03/2079	शनि	24/04/2097	बुध	18/12/2105		00/00/0000
गुरु	15/08/2071	शनि	27/04/2080	बुध	23/02/2100	केतु	25/04/2106		00/00/0000
शनि	24/04/2074	बुध	24/04/2081	केतु	25/04/2101	शुक्र	26/04/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।